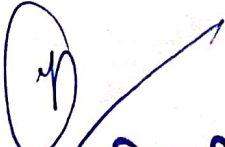


20.9.22

वकील प्रार्थिया द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र से पत्रावली सिंगल से तलवकी गई। प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को शाह पठ किया गया। प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में बताया गया कि प्रार्थिया एवं अप्रार्थी के बीच आपसी शर्जीनामा हो चुका है, प्रकरण में अब आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं। अतः प्रकरण इसी स्तर पर ड्रॉप किया जावे।

मैंने प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर मनन किया तथा प्रकरण का अवलोकन किया। न्यायहित में वकील प्रार्थिया द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाता है। प्रार्थिया एवं अप्रार्थी के बीच आपसी शर्जीनामा हो जाने से प्रकरण इसी स्तर पर ड्रॉप किया जाता है। पत्रावली फाइल नुमांदा होकर दफ्तर दारखिल हो।


उपखण्ड अधिकारी
मांडल जिला भीलवाड़ा